जल समाचार

पवन कुमार

चेन्नई देश का पहला ऐसा शहर जहां भूमिगत जल पूरी तरह समाप्त

पूरे देश में भूमिगत जल समाप्त होने के मामले में चेन्नई पहला शहर बन गया है। यहां पर अब भूमिगत जल के 2000 फीट की गहराई तक नहीं होने के बाद शासन ने सूचना जारी की है। भूमिगत जल समाप्त होने के कारण बोरिंग अब पूरी तरह प्रतिबंधित कर दिए गए हैं। 200 फीट तक भरपूर पानी देने वाले चेन्नई की इस दुर्दुशा के पीछे पूरे शहर को सीमेंट की सड़कों और निर्माणों से पाट देना प्रमुख है। शहर के किसी भी भाग में पानी जमीन में जाने का कोई साधन नहीं बचा है। अब चेन्नई गर्मी के दिनों में भीषण जल संकट का सामना कर रहा है।

शहरों के विकास और सड़कों के अलावा फुटपाथ और खुले मैदान सीमेंट से बनाए जाने के कारण चेन्नई की यह दुर्दशा हो गई है। इस मामले में स्थानीय नागरिकों का कहना है कि शहर में जल संरक्षण को लेकर कोई अभियान नहीं चलाये गए। अनियमित निर्माणों के चलते चुनिंदा तालाब भी पानी के लिए तरस गए। साथ ही भूमिगत जल को लेकर कहीं पर कोई विशेष कार्य नहीं किए गए। इसी का परिणाम है कि अब चेन्नई में भूमिगत जल समाप्त हो चुका है। यहां दूसरी ओर जिला प्रशासन ने आम लोगों से आग्रह किया है कि वे अपने घरों के नीचे भंडारण टंकियों में बारिश का जल जमा करने के लिए प्रयास करें। ताकि कुछ माह तक उसी पानी का उपयोग अन्य कार्यों के लिए हो सके। चेन्नई महानगर पालिका ने कहा है कि वह केवल पीने के पानी के लिए ही अपनी तैयारी कर रही है।

भगीरथ बन आदिवासी क्षेत्र में उतारी 'गंगा'

सनातन धर्म की प्राचीन परंपराएं क्या कमाल कर सकती हैं, यह देखना हो तो मध्य प्रदेश के आदिवासी जिले झाबुओ व आलीराजपुर में चले आइए। यहां गिरते भूजल स्तर और गहराते सूखे को देखते हुए शिवगंगा सामाजिक संस्था ने आदिवासियों को उनकी प्राचीन हमला परंपरा (निस्वार्थ भाव से सामूहिक श्रमदान) की याद दिलाई और आदिवासियों ने देखते-देखते 80 तालाब खोद दिए। शिवगंगा के भगीरथी प्रयासों से इस सूखे हो रहे क्षेत्र में मानो शिव की गंगा उतर आई है। अब ये 80 तालाब पानी से लबालब हैं और आस-पास के 300 गांवों को लाभ दे रहे हैं। क्षेत्र का भूजल बढ़ गया है, जमीन हरी-भरी रहने लगी है।

ऐसे लिखी पानी पर सफलता की कहानी

झाबुआ व आलीराजपुर में छोटी-छोटी पहाड़ियां बहुत हैं। इनमें बारिश का पानी तेजी से बहकर निकल जाता है। नतीजन, क्षेत्र का भूजल स्तर लगातार नीचे जा रहा था। तब समाज सेवक पद्मश्री महेश शर्मा ने भविष्य के खतरे को भांपा और शिवगंगा संस्था गठित कर ग्रामीणों की बैठक बुलाकर गांव की समस्याओं पर खुलकर चर्चा की। संस्था ने आदिवासी ग्रामीणों को उनकी प्राचीन परंपरा हलमा की याद दिलाई। आदिवासी इस परंपरा को भूजल चुके थे। पूर्वजों की परंपरा याद आई तो 300 गांवों में आदिवासियों ने मिलकर तालाब बना दिए। साथ ही 4,500 बोरी बंधान (बारिश के पानी को रोकने के लिए), कुआं गहरीकरण, स्टेपडैम मरम्मत व मेड़ बंधान के काम भी हुए। अब हर साल इस क्षेत्र में 5,480

मिलियन लीटर पानी बचाया जा रहा है।

गांव के गांव बन गए दशरथ मांझी

शिवगंगा संस्था के सदस्य राजाराम कटारा बताते हैं कि झाबुआ से सटे हाथीपावा की पहाड़ियों पर 2009 से हर साल सामूहिक श्रमदान हो रहा है। गांव के गांव दशरथ मांझी बन गए हैं। हाथीपावा की पहाड़ियों पर बीते 13 वर्षों में जल संरक्षण के लिए एक लाख 61 हजार संरचनाएं बन चुकी हैं। आदिवासियों द्वारा वन बचाने व पौधे लगाने के लिए भी अभियान शुरू किया गया। शिवगंगा संस्था का 700 गांवों में सीधा नेटवर्क है। 3,500 कार्यकर्ताओं की फौज मैदान में है। 900 ग्रामीण तकनीकी प्रशिक्षण प्राप्त हैं।

बच्चों को पानी का महत्व बताया स्वच्छता को किया जागरूक

राष्ट्रीय जलविज्ञान संस्थान (एन. आइ.एच.) रुड़की के वैज्ञानिकों ने बच्चों को जीवन में पानी के महत्व के बारे में बताया। साथ ही, उन्हें स्वयं की स्वच्छता को लेकर भी जागरूक किया। उन्होंने विद्यालय परिसर में पौधारोपण भी किया गया।

एन.आई.एच. की ओर से दिनांक 28.03.2022 को ग्राम बेलड़ी के राजकीय प्राथमिक विद्यालय में स्वच्छता व जल संरक्षण विषय पर बच्चों के लिए कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम का उद्घाटन सिविल लाइंस कोतवाली प्रभारी निरीक्षक देवेंद्र चौहान ने किया। प्रभारी निरीक्षक देवेंद्र चौहान ने कहा कि बच्चे राष्ट्र की धरोहर हैं। उन्होंने बच्चों को स्वच्छता के लिए प्रेरित भी किया। उन्होंने बच्चों से आह्वान किया कि न वे स्वयं गंदगी करें और न ही दूसरों को गंदगी करने दें। संस्थान के स्वच्छ भारत मिशन के नोडल अधिकारी एल.एन. ठकुराल ने बच्चों को इस अभियान के बारे में बताया। साथ ही, स्वच्छता की शपथ दिलाई। वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. पी. के. मिश्रा ने बच्चों को जलीय चक्र के बारे में जानकारी दी। कहा कि जल के बिना कुछ भी संभव नहीं है। वहीं डॉ. मुकेश शर्मा ने जल गुणवत्ता के बारे में जागरूक किया। इस अवसर पर पवन कुमार, ओम प्रकाश, एन.के. वार्ष्णेय, गुरदीप सिंह दुआ, मीनाक्षी मिश्रा, सुभाष किचलू और स्कूल स्टाफ उपस्थित रहा।

जल संरक्षण और प्रबंधन विषय पर कार्यशाला

एन.आई.एच. रुड़की की ओर से बहादराबाद ब्लॉक के सोहलपुर में स्थित वशिष्ट शिशु ज्ञान बाल भारतीय विद्या मंदिर में जल संरक्षण व प्रबंधन विषय पर कार्यशाला हुई। कार्यक्रम का उद्घाटन कृषि विज्ञान केंद्र धनौरी के प्रभारी डॉ. पुरुषोत्तम एवं रा.ज.सं. के वरिष्ठ वैज्ञानिक ओमकार सिंह ने किया। इस दौरान ग्रामीण महिलाओं एवं पुरुषों को जल संरक्षण एवं प्रबंधन के बारे में जानकारी दी गई। इस मौके पर स्कूल प्रबंधक प्रमोद वशिष्ट, पदम शर्मा, वेदपाल, राजू, अलका, कविता आदि उपस्थित रहे।

राजसं. द्वारा सोहलपुर (ब्लॉक बहादराबाद) में स्थित वशिष्ट शिशु ज्ञान बाल भारतीय विद्या मंदिर में जल संरक्षण और प्रबंधन विषय पर आयोजित कार्यशाला।

एन.आई.एच. द्वारा ग्राम बुडपुर जट में शिव ज्ञान विद्या मंदिर स्कूल में जल एवं पर्यावरण संरक्षण पर कार्यक्रम का आयोजन

राष्ट्रीय जलविज्ञान संस्थान (एन. आई.एच.) ने स्वच्छता पखवाड़े के अंतर्गत ग्राम बुडपुर जट स्थित शिव ज्ञान विद्या मंदिर स्कूल में छात्रों के लिए जल एवं पर्यावरण संरक्षण विषय पर कला प्रतियोगिता का आयोजन किया। इसमें छात्रा लवि ने प्रथम, लक्ष्य ने द्वितीय और छवि ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

दिनांक 29.03.2022 मंगलवार को स्कूल में हुए कार्यक्रम का उद्घाटन ए.एस.डी.एम. विजय नाथ शुक्ल ने किया। उन्होंने छात्रों को तालाबों की स्वच्छता के बारे में बताया। कहा कि हमें अपने आस-पास सफाई रखनी चाहिए। गीले एवं सूखे कूड़े के लिए अलग-अलग कूड़ादान रखना चाहिए। समाजसेवी दिनेश पंवार ने कहा कि अपने नलों के पास सफाई रखनी चाहिए। देव संस्कृति विश्वविद्यालय के प्रोटोकोल आफिसर अश्वनी शर्मा ने विश्वविद्या की ओर से जल संरक्षण व संस्थान के स्वच्छ भारत मिशन के नोडल अधिकारी एल.एन. ठकुराल ने स्कूली बच्चों को अभियान के बारे में जानकारी दी। वहीं पोषण पखवाड़े के अंतर्गत महिलाओं के लिए आयोजित कार्यक्रम में एन.आई.एच. के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. अनिल कुमार लोहनी ने जल संरक्षण पर व्याख्यान दिया। डॉ. अनुपमा वर्मा, डॉ. मनोहर अरोड़ा, डॉ. सुहास खोब्रागडे, जे.पी. पात्रा ने सतही ने जल विज्ञान के बारे में बताया। इस मौके पर टी.आर. सपरा, बबीता शर्मा, पवन कुमार, सुभाष किचलू, प्रधानाचार्य राजेश शर्मा, सुशील शर्मा, चरण सिंह, नरेंद्र शर्मा सोनू, किरण आदि उपस्थित रहे।

विश्व जल दिवस

दिनांक 22-3-2022 को राष्ट्रीय जलविज्ञान संस्थान, रुड़की तथा भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, रुड़की ने संयुक्त रूप से राष्ट्रीय जलविज्ञान संस्थान, रुड़की के सभागार में 'विश्व जल दिवस' के अवसर पर एक समारोह का आयोजन किया गया। जिसका विषय ''भूजलः अदृश्य को दृश्यमान बनाना'' रहा।

समारोह के अध्यक्ष डॉ. जयवीर त्यागी, निदेशक राष्ट्रीय जलविज्ञान संस्थान, रुड़की तथा समारोह के मुख्य अतिथि डॉ. ए.के. चतुर्वेदी, निदेशक भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, रुड़की रहे। समारोह का संचालन डॉ. पी.के. सिंह, वैज्ञानिक-डी ने किया।

इस अवसर पर भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, खड़कपुर के प्रोफेसर अभिजीत मुखर्जी (शांति स्वरूप भटनागर अवार्ड विजेता) ने ''भूजल-नदी परस्पर क्रियाओं के प्रभाव से मरणासन्न होती गंगा नदी'' विषय पर वर्चुवल रूप से एक विशेष व्याख्यान प्रस्तुत करते हुए बताया कि भूजल से अत्यधिक जल निकासी के कारण गंगा बेसिन के भूजल में निरन्तर कमी आ रही है तथा नदी के जल में प्रदूषण बढ़ने से भूजल के प्रदूषण में वृद्धि हो रही है। वर्ष 1970 के भूजल स्तर की तुलना में वर्तमान में नदी के भूजल स्तर में 59 प्रतिशत तक की कमी हो रही है।

समारोह में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, रूड़की के जलविज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. बृजेश यादव, जल संसाधन विकास एवं प्रबंधन विभाग के विभागाध्यक्ष प्रोफेसर आशीष पाण्डेय, हाइड्रो एवं रिनेवबल एनर्जी के विभागाध्यक्ष प्रोफेसर एम.के. सिंघल, भू विज्ञान विभाग के प्रोफेसर ए.एस. मोर्या तथा जानपद अभियांत्रिकी विभाग के प्रोफसर जेड अहमद ने अपने-अपने विभागों की अवसंरचनाओं, शोध कार्यों

राष्ट्रीय जलविज्ञान संस्थान द्वारा ग्राम बुडपुर जट में शिव ज्ञान विद्या मंदिर स्कूल में जल एवं पर्यावरण संरक्षण पर कार्यक्रम।

तथा विभाग में चल रही परियोजनाओं के बारे में जानकारी दी। इसके अतिरिक्त राष्ट्रीय जलविज्ञान संस्थान, रुड़की के सतही जल जलविज्ञान प्रभाग के प्रभागाध्यक्ष डॉ. अनिल कुमार लोहनी वैज्ञानिक जी ने राष्ट्रीय जलविज्ञान संस्थान द्वारा किये जा रहे विभिन्न शोध कार्यों तथा अनुसंधान की गतिविधियों के साथ-साथ संस्थान मुख्यालय तथा उसके क्षेत्रीय केन्द्रों की अवसरंचनाओं तथा विभिन्न परियोजनाओं के बारे में संक्षिप्त जानकारी प्रस्तुत की।

डॉ. जयवीर त्यागी, निदेशक राष्ट्रीय जलविज्ञान संस्थान ने अपने अध्यक्षीय भाषण में बताया कि जल में हो रही निरन्तर कमी के कारण नदियां सूख रही हैं, हमें ये सुनिश्चित करना है कि वर्ष 2030 तक जल एवं स्वच्छता सब के लिए उपलब्ध हो, इसके लिए हमें भूजल से हो रही अत्यधिक निकासी में कमी कर तथा भूजल पुनःपूरण में वृद्धि कर यह सुनिश्चित करना है कि भूजल को अदृश्य से दृश्यमान बनाया जा सके। इस संबंध में जल शक्ति मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा जल शक्ति अभियान एवं नमामी गंगे कार्यक्रम के अन्तर्गत भूजल पुनःपूरण तथा जल प्रदूषण में कमी के लिए कार्रवाइयां की गई हैं।

समारोह के मुख्य अतिथि डॉ. ए. के. चतुर्वेदी, निदेशक भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, रुड़की ने इस बात पर बल दिया कि जल की विभिन्न समस्याओं के समाधान हेतु राष्ट्रीय जलविज्ञान संस्थान तथा भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, रुड़की के वैज्ञानिकों तथा प्रोफेसरों को संयुक्त रूप से एक-दूसरे के साथ सहयोग करना चाहिए।

राजसं. रुड़की तथा भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, रुड़की द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित "विश्व जल दिवस" समारोह का एक दृश्य।

जल शक्ति मंत्रालय, जल संसाधन नदी विकास एवं गंगा संरक्षण विभाग के निर्देशानुसार राष्ट्रीय जलविज्ञान संस्थान, रुड़की द्वारा दिनांक 16 मार्च, 2022 से 31 मार्च, 2022 तक स्वच्छता पखवाड़े का आयोजन किया गया। इसी क्रम में दिनांक 31 मार्च, 2022 को रामानन्द इंस्टीट्यूट ज्वालापुर (हरिद्वार) में जल संरक्षण विषय पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में संस्थान के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. संजय कुमार ने छात्रों को राष्ट्रीय जलविज्ञान संस्थान के बारे में विस्तृत जानकारी दी तथा संस्थान द्वारा जल के क्षेत्र में किये जा रहे कार्यों से अवगत कराया। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय जलविज्ञान का मुख्यालय रुड़की में स्थित है तथा इसके 6 क्षेत्रीय केन्द्र भी हैं। संस्थान राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर जल के क्षेत्र में सराहनीय कार्य कर रहा है। शोध कार्यों के साथ-साथ जन-जागरण एवं जल की जागरूकता के कार्य भी संस्थान द्वारा किये जाते हैं। उन्होंने बताया कि पृथ्वी पर 97 प्रतिशत जल खारा है 2 प्रतिशत जल ग्लेशियर के रूप में जमा हुआ है केवल 1 प्रतिशत जल ही पीने योग्य है। अतः हमें जल का संरक्षण करना चाहिए तथा अपने आस-पास के पानी को साफ रखना चाहिए। हमारे द्वारा सतही जल को प्रदूषित करने से हमें विभिन्न बीमारियों का सामना करना पड़ता है। स्वच्छ भारत मिशन के नोडल अधिकारी एल.एन. ठकुराल ने स्वच्छता पखवाड़ें के दौरान आयोजित विभिन्न गतिविधियों के बारे में जानकारी प्रदान की तथा सभी को स्वच्छता की शपथ भी दिलवाई। उन्होंने स्वच्छ भारत मिशन के उद्देश्यों को चल चित्र के माध्यम से प्रस्तुत कर स्कूली बच्चों को स्वच्छता के प्रति प्रेरित किया। जल संरक्षण पर व्याख्यान देते हुए उन्होंने एक चलचित्र भी बच्चों को दिखाया जिसमें जल के विभिन्न रूपों को प्रदर्शित किया गया। उन्होंने बच्चों का ज्ञानवर्धन करने के लिए जल संरक्षण, रेन वाटर हार्वेस्टिंग, जल गुणवत्ता, इत्यादि विषयों पर छात्रों से प्रश्नों भी पूछे तथा सही जवाब देने वाले छात्रों को प्रोत्साहित भी किया गया। रामानन्द कालेज के प्रधानाचार्य श्री राम अवतार, डॉ. मंयक गुप्ता प्रशासनिक अध्यक्ष को पुस्तकालय के लिए जल संरक्षण पर राजसं की पुस्तक भी भेट की गई।

तकनीकी पत्रिका जल चेतना के सह-संपादक पवन कुमार द्वारा संस्थान की तकनीकी पत्रिका जल चेतना की

प्रतियां भी रामानन्द इंस्ट्टीयूट के प्रबंधन को सौपी गई तथा बताया कि जल चेतना पत्रिका राष्ट्रपति पुरस्कार से सम्मानित है। जो भी छात्र जल से संबंधित कोई लेख अथवा कविता इत्यादि भेजेगा उसको प्राथमिकता के आधार पर पत्रिका में स्थान दिया जाएगा तथा प्रोत्साहन राशि भी प्रदान की जाएगी। उन्होंने स्कूली छात्रों को संस्थान के भ्रमण के लिए भी आमंत्रित किया। कार्यक्रम में सोरभ शर्मा, राम अवतार शर्मा, डॉ. मंयक गुप्ता, हुकम सिंह, ओमप्रकाश, पदम शर्मा इत्यादि मौजूद रहे।

राष्ट्रीय जलविज्ञान संस्थान, रूड़की द्वारा आयोजित किये जा रहे स्वच्छता पखवाड़े के क्रम में दिनांक 25.03.2022 को 10:30 बजे लक्ष्मी नारायण घाट पर संस्थान की टीम द्वारा स्वच्छता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसके तहत घाट की सफाई के कार्यक्रम का उद्घाटन श्री प्रदीप बत्रा, माननीय विधायक, रुड़की एवं संस्थान के कार्यकारी निदेशक डॉ. सुधीर कुमार के कर कमलों द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। डॉ. सुधीर कुमार ने कहा राष्ट्रीय जलविज्ञान संस्थान लक्ष्मी नारायण घाट की सफाई का कार्यक्रम हर वर्ष करता है जिससे लोगों में जागरूकता पैदा हो सके। इसमें हम अपने आस-पास के लोगों को भी जोड़ते हैं जिससे वह अपने आस-पास सफाई स्वच्छता रखकर निरोगी जीवन जी सकें क्योंकि गंदगी का प्रभाव हमारे जीवन पर भी पड़ता है इसलिए सफाई रखना हम सभी का दायित्व है।

श्री एल.एन. ठकुराल, नोडल अधिकारी स्वच्छ भारत मिशन ने स्वच्छता पखवाड़े के दौरान किये जा रहे कार्यक्रमों की जानकारी देते हुए बताया कि हम महिलाओं के लिए कार्यशाला एवं बच्चों के लिए ड्राइंग प्रतियोगिता, व्याख्यानों का आयोजन करने के साथ-साथ तालाबों की सफाई का कार्य भी करते हैं। स्वच्छता के लिए जल शक्ति मंत्रालय द्वारा हमें द्वितीय पुरस्कार तथा रुड़की में नगर निगम द्वारा भी द्वितीय पुरस्कार तथा स्वच्छता हीरो का पुरस्कार भी प्रदान किया गया है।

राजसं. रुड़की द्वारा लक्ष्मीनारायण घाट पर आयोजित सफाई अभियान कार्यक्रम के दौरान शपथ ग्रहण करते प्रतिभागीगण

श्री ओमकार सिंह ने कहा कि संस्थान द्वारा स्वच्छता के संबंध किये जा रहे कार्यों की जितनी प्रशंसा की जाए कम है। यह सब स्वच्छता की टीम के अथक प्रयासों से संभव हो सकता है। वरिष्ठ वैज्ञानिक अनिल कुमार लोहनी ने आस-पास के लोगों, दुकानदारों से कहा कि यहां पर सफाई रखना अब आप सबकी भी जिम्मेदारी है। स्वच्छता में हम सभी का सहयोग होना चाहिए। डॉ. मनोहर अरोड़ा ने कहा कि हमें यह कार्यक्रम 15 दिन ही नहीं चलाने चाहिए बल्कि लगातार चलाते रहना चाहिए जब वैज्ञानिक सड़क पर उतर कर सफाई का कार्य करते हैं तो हमारे इस योगदान से जनता में भी स्वच्छता का संदेश जाता है जिससे लोगों में जागरूकता पैदा होती है।

कार्यक्रम के अवसर मुख्य अतिथि ने राष्ट्रीय जलविज्ञान संस्थान रूड़की के द्वारा स्वच्छता के संबंध में किये जा रहे कार्यों की सराहना की उन्होंने कहा कि राजसं द्वारा यह बहुत अच्छा कार्यक्रम करते रहना चाहिए। हमारे प्रधानमंत्री के लिए सभी संस्थाओं को आगे आना चाहिए तथा स्वच्छता संबंधी कार्यक्रम करते रहना चाहिए। हमारे प्रधानमंत्री का आह्वान है कि देश के लोगों को स्वच्छ, स्वस्थ एवं सुरक्षित रहना चाहिए मैं इसके लिए संस्थान के सभी पदाधिकारियों को बधाई देता हूं। कार्यक्रम में वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. अनिल कुमार लोहनी ओमकार सिंह, गोपाल कृष्ण, पवन कुमार सहित अनेक वैज्ञानिक एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

रैली निकालकर दिया जल संरक्षण का संदेश

राष्ट्रीय जलविज्ञान संस्थान (एन.आई.एच.) रुड़की की ओर से आजादी के अमृत महोत्सव के तहत जल संरक्षण एवं सुरक्षा विषय पर आयोजित कार्यक्रम में विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया। इसके अतंर्गत दिनांक 4.05.2022 को नारसन ब्लॉक के झबरेड़ी कलां गांव स्थित राजकीय उच्चतर प्राथमिक विद्यालय में जल संरक्षण एवं सुरक्षा विषय पर जागरूकता कार्यक्रम किया गया। विद्यालय प्रबंध समिति के अध्यक्ष अनूप सिंह की अध्यक्षता में जनजागरूकता रैली निकाली गई। साथ ही बॉयोस्कोप एवं एलईडी टीवी के माध्यम से जल संरक्षण एवं आभासी जल विषय पर लघु फिल्म भी दिखाई गई।

इस दौरान जल संरक्षण विषय पर पेंटिंग प्रदर्शनी एवं प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन भी किया गया। प्रतियोगिता में प्रथम स्थान गुरमीत, द्वितीय स्थान प्रिंस एवं तृतीय स्थान शिवांगी चौधरी ने प्राप्त किया। इसके साथ-साथ वंश कश्यप व निधी चौधरी को प्रोत्साहन पुरस्कार भी प्रदान किए गए। संस्थान के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रभागाध्यक्ष डॉ. वी.सी. गोयल की ओर से जल संरक्षण, सुरक्षा एवं आभासी जल विषयों पर महत्वपूर्ण जानकारी दी गई। कार्यक्रम में डॉ. वी.सी. गोयल की ओर पौधारोपण भी किया गया।

कार्यक्रम का समापन जल संरक्षण शपथ के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम में संस्थान के वैज्ञानिक ओमकार सिंह, दिगंबर सिंह, रोहीत सांबरे एवं सहायक दौलत राम सहगल, नागेश्वर राव

''जल बचाओ, जीवन बचाओ'' विषय पर संस्थान द्वारा ग्राम कुंजा बहादरपुर में आयोजित कार्यक्रम का एक दृश्य।

अल्लक, वरूण गोयल, विद्यालय के प्रधानाध्यापक ठाट सिंह, सहायक अध्यापक मंजू चौहान आदि मौजूद थे।

कुंजा बहादरपुर में 'जल बचाओ, जीवन बचाओ' विषय पर कार्यशाला का आयोजन

जल शक्ति मंत्रालय के निर्देशानुसार राष्ट्रीय जलविज्ञान संस्थान रुड़की द्वारा अमृत महोत्सव के अंतर्गत दिनांक 28 मई, 2022 को राजकीय इंटर कॉलेज कुंजा बहादुरपुर में 'जल बचाओ, जीवन बचाओ' विषय पर स्कूली बच्चों के लिए कार्यशाला का आयोजन किया। डॉ. गोपाल कृष्ण द्वारा बच्चों को जल संरक्षण, जल गुणवत्ता, भूजल विज्ञान, प्रदूषित जल से जीवन में होने वाली हानियां, जल की कमी के कारण होने वाली बीमारियां, पर्यावरण के लिए जल का महत्व, जल चक्र के बारे में विस्तार से बताया। इस अवसर पर नितेश पाटीदार द्वारा जल संरक्षण एवं पर्यावरण से संबंधित जानकारियां चल चित्र के माध्यम से प्रदान की गई। पवन कुमार ने राष्ट्रीय जलविज्ञान संस्थान के बारे में विभिन्न जानकारियां प्रदान की तथा राष्ट्रीय जलविज्ञान संस्थान को जल शक्ति मंत्रालय द्वारा सौंपे कार्य के बारे में बताया। इस अवसर पर बच्चों के लिए वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन भी किया गया, जिसमें स्कूली छात्र-छात्राओं द्वारा बेहतर ढंग से अपने विचार प्रस्तुत किए गये। इस अवसर पर जीवन में जल के महत्व पर जानकारी प्रदान की गई। साथ ही 'पानी बचाओ, जीवन बचाओ' भाषण प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर रिया, द्वितीय स्थान पर दिव्यांशी व तृतीय स्थान पर कीर्ति तथा सांत्वना पुरस्कार साक्षी एवं वीर मीका ने प्राप्त किया। मुख्य अतिथि एस.डी.एम. बृजेश कुमार तिवारी ने सभी बच्चों को पुरस्कार प्रदान किए। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में खंड शिक्षा अधिकारी ने बच्चों को जल संरक्षण के लिए प्रेरित किया तथा बताया कि पानी का सबसे ज्यादा उपयोग कृषि के क्षेत्र में होता है। हमें जल संरक्षण पर विशेष जोर देना चाहिए। मुख्य अतिथि ने कहा कि जल का हमारे जीवन में महत्वपूर्ण स्थान है। इसलिए हम सबका दायित्व है कि हम इसको बचाएं तथा आने वाली पीढ़ियों का भविष्य सुरक्षित करें, जल है तो कल है, जल के बिना कुछ भी संभव नहीं है। इस अवसर पर स्कूली छात्र-छात्राओं ने जल संरक्षण पर ड्राइंग कंपटीशन में भी प्रतिभाग किया और सुंदर-सुंदर ड्राइंग के माध्यम से पर्यावरण में होने वाले इसके प्रभाव के बारे में प्रस्तुति दी। अंत में अतिथियों द्वारा स्कूली बच्चों को पुरस्कृत किया गया। बाद में कार्यक्रम आयोजकों द्वारा अतिथियों का आभार व्यक्त किया गया। इस अवसर पर उत्तराखंड किसान मोर्चा के नेता राजपाल, राजकीय इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य एस.एस. अमेठिया, दिवाकर शर्मा, के.एन. बहुगुणा, आशीष भूट, सत्येंद्र सिंह, महिपाल वर्मा, कुलदीप कसाना, सुदेश सैनी, विनीत सिंह, भगवान सिंह, रामकुमार वर्मा, श्रीमती मीनाक्षी, श्रीमती रेखा राव सहित अनेक गणमान्य लोग मौजूद रहे।

संपर्क करें:

पवन कुमार

सह संपादक ''जल चेतना''

राष्ट्रीय जलविज्ञान संस्थान,

रुड़की।

पंजीयन संख्या : UTTHIN/2012/46793

अभिकल्पित एवं मुद्रित : पैरामाउण्ट ऑफसैट प्रिंटर्स, रूड़की